भौतिक समृद्धि से नहीं मिलती खुशियां-शिवानी

उदयपुर, 9 फरवरी। खुशहाल जीवन हर एक मनुष्य का लक्ष्य है। परन्तु इसको प्राप्त करने के लिए हमने जो रास्ते अपनायें वह प्रर्याप्त नहीं है। भौतिक समृद्धि जितनी हुई है मनुष्य की खुशी उतनी ही दूर होती चली गयी। भौतिक समृद्धि से हमें स्थाई खुशी नहीं मिल सकती। इसके लिए स्वयं के अन्दर उतरने की आवश्यकता है। उक्त उदगार अन्तर्राष्ट्रीय मैनेजमेन्ट वक्ता ब्र. कु. शिवानी ने व्यक्त किये वे टाउन हॉल में आयोजित खुशनुम: जीवन के बारे में लोगों को सम्बोधित कर रही थी।

आगे उन्होंने कहा कि वास्तव में जो भी हमारे प्रतिदिन की दिनचर्या में तनाव उत्पन्न होता है। वह निरर्थक बातों के कारण होता है। जब हम किसी भी परिस्थिति में समझौता करना नहीं सीखते है तो वही बातें तनाव को जन्म देती है। यह कहानी प्रत्येक मनुष्य और प्रत्येक घर की है। हमें छोटी-छोटी बातों से उपर उठकर सोचने की आवश्यकता है। जब तक हम छोटी-छोटी बातों में उलझे रहेंगे तब तक हमारे जीवन से खुशी हमेशा दूर होती रहेगी। सभा में उपस्थित लोगों के सवालों का जबाब देते हुए कहा कि जितना हमने भौतिक साधनों में खुशी को ढूढ़ने की काशिश की है उतना ही दूर होते चले गये है। हमारी इच्छायें और अहंकार ने असलियत से दूर कर दिया है। आध्यात्मिक ज्ञान और ईश्वरीय शक्ति को अपने जीवन में अपनाने से बुराईयों को दूर कर सकते हैं।

उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य की चर्चा करते हुए कहा कि आज पूरा समाज तेजी से बदल रहा है। यह बदलाव सकारात्मक कम और नकारात्मक ज्यादा होता जा रहा है। ऐसे में हम सुख शान्तिमय जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। हमने अपने दृष्टिकोण को भौतिकवादी सोच से भर दिया है। इसलिए अपने मूलभूत गुणों और अतीत काल के सत्य को जानने की आवश्यकताहै। इससे पूर्व पहले दिन के कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के पूर्व ग्रामोद्योग मंत्री भानू कुमार शास्त्री, नगर निगम परिषद के चेयरमैन रबिन्द्र श्रीमाली, माउण्ट आबू से ब्रह्माकुमारीज संस्था के मल्टी मीडिया चीफ ब्र. कु. करूणा, सुरक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र. कु. अशोक, आलइंडिया रेडियो के निदेशक मानिक आर्य, चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष गणेश डागलिया की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारीज उदयपुर की सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र. कु. रीटा ने किया। ब्र.कु. शिवानी की एक झलक पाने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इसमें लोगों ने दिनभर अपने समस्याओं के निदान के लिए ब्र. कु. शिवानी से मिलते रहे तथा सफल जीवन के सूत्र पूछे जिसपर लोगों के सवालों का तथ्यात्मक उत्तर देते हुए समाधान के तरीके बताये।